प्रेम पिपासी शीला की चुदाई

दोस्तों! ज़िन्दगी बहुत छोटी है इसलिये इसके हर पल का पूरा आनन्द लेना चाहिए क्योंकि सेक्स एक ऐसी चीज़ ईश्वर ने बनाई है। वासना की नज़र से देखें तो हर औरत या लड़की में सेक्स का भण्डार होता है। किसी लड़की की बूब्स अच्छे होते है तो किसी की चौड़ी कमर तो किसी की पतली कमर और किसी के हिप्स जो कि उत्तेजक का प्रतीक होते हैं यदि किसी की नंगी जांघें दिखाई दे जाये तो सेक्स सिर चढ़कर बोलने लगता है। उसको पाने की इच्छा प्रबल हो जाती है। सेक्स का कोई जवाब नहीं कहने को तो ये पल भर का आनन्द है लेकिन उस एक पल को आनन्द मय बनाने के लिये इन्सान क्या कुछ नहीं करता कुछ तो गलत रास्ता चुन लेते हैं और कुछ समझदारी से काम लेकर आनन्द की प्राप्ति कर लेते हैं अगर आपको किसी के साथ सेक्स की इच्छा है तो आप बिना संकोच उससे कह कर तो देखें क्या पता आपकी बात बन जाये क्योंकि जो इच्छायें आपके अर्न्तमन में हैं, हो सकता है वह उसके मन में भी हो। हर लड़का एक नई चूत पाने के लिये लालायित रहता है और हर लड़की एक लण्ड के लिये। ऐसा ही एक घटना मैं आपको सुनाने जा रहा हूँ जो कि मेरी ज़िन्दगी के खूबसूरत पलों में से एक है।

बात उन दिनों की है जब मैं अपने छुट्टियां खत्म करके जम्मू जा रहा था आगरा कैन्ट रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इन्तज़ार कर रहा था कि तभी एक बुजुर्ग औरत उसके साथ एक लगभग 25 वर्षीय गढीले बदन की औरत साड़ी पहने हुए थी देखने में मां और बेटी लग रही थी मुझे नज़र आया उनके साथ एक बड़ा सा बक्सा था उन्हें देखकर नहीं लग रहा था कि ये बक्सा वह रेलगाड़ी में चढ़ा सकती हैं। कुछ देर बाद रेलगाड़ी आई और स्टेशन पर भीड़ की मात्रा बढ़ गई वे दोनों बक्से को चढ़ाने का प्रयास करने लगी लेकिन स्टेशन पर भीड़ बहुत थी और सवारियां रेलगाड़ी के गेट से बराबर उतर और चढ़ रही थी जिसके कारण वे दोनों लोग बक्से को चढ़ा नहीं पा रहे थे। मैंने उनकी समस्या को देखकर उनकी मद्द कर उस बक्से को ट्रेन में चढ़वा दिया मैंने कहा अम्मा इतना भारी बक्सा लेकर मत चला करो अम्मा बोली क्या करूं बेटा मजबूरी थी ये मेरे साथ मेरी लडकी है हमारे तो दिन ही बुरे चल रहे हैं। तुमने हमारी बहुत मदद की है भगवान तुम्हारी हर इच्छा पूरी करे। फिर मैं अपनी सीट देखने लगा ट्रेन में हम लोगों की सीट एक ही कम्पाउन्ड में थी। पूरे सफर में हम लोग आपस में बहुत घुल मिल गये थे। लेकिन मेरी नज़र उनकी लड़की जिसका नाम शीला था (काल्पनिक नाम) पर बराबर अनायास ही चली जाती थी और हम दोनों की नज़र आपस में टकरा जाती है जिसके कारण वह अपनी नज़रों को झुका लेती है। हम दोनो में उमर का थोड़ा सा अन्तर था। अम्मा ने बताया कि मेरी लड़की को उसके आदमी ने छोड़ दिया है क्योकि 5 वर्ष हो गये इसे कोई बच्चा नहीं है। इसलिये अब यह मेरे पास ही रहती है। लेकिन शीला की नज़रों से यह अन्दाजा हो रहा था कि शीला कुछ कहना चाहती थी लेकिन वह कह नहीं पा रही थी।

ट्रेन का सफर पूरा हुआ और हम दोनों ने एक दूसरे को अपना पता दिया और चल दिये मैं भी अपने घर आ गया लेकिन मै शीला की उन नज़रों भूल नहीं पा रहा जो कि मेरी नज़रों से टकराकर मुझसे अकेले में बात करने के लिये इशारा कर रही थी। मुझसे रहा नहीं गया और अगले ही दिन उससे मिलने के लिये चल दिया मैंने उनका पता तो ले लिया था उनका घर ढूंढ़ना कोई बड़ी बात नहीं थी और आखिर मैंने उनका घर ढूंढ़ लिया। दरवाजा खोलते ही अम्मा ने मुझे तुरन्त पहचान लिया और

© 2008, www.antarvasna.com and Indian Porn Empire

पूरे सम्मान से नवाजा उस दिन कोई खास बात नहीं बनी और मैं खाली हाथ चला आया। चलते समय अम्मा ने कहा था कि बेटे आते रहा करो और हो सके तो मेरी लड़की यहां कुछ काम करना चाहती है तो इसके लिये कोई काम ढूंढ़ने के लिये कहा था जिससे कि उनकी कोई आमदनी का जरिया बन सके वैसे तो अम्मा को पेंशन मिलती थी लेकिन इस मंहगाई के दौर में बहुत तंगी रहती थी।

एक सप्ताह बाद मैंने एक स्कूल में टीचिंग के लिये शीला की बात की और उसके घर गया तो शीला व अम्मा दोनो बहुत खुश हुए तथा दूसरे दिन शीला को लेकर स्कूल जाना था शीला बी0ए0 पास थी। लेकिन सीधी थी मैंने दूसरे दिन शीला को साथ ले जाने के लिये अम्मा को बताया तो उन्होंने कहा कि ठीक है कल तुम शीला को ले जाकर उसकी स्कूल में बात करा देना और फिर उन्होंने मुझे अपने बच्चे की तरह प्यार किया और दुआएं दीं।

दूसरे दिन मैं शीला को अपने साथ ले गया वह पूरे रास्ते शान्त चलती रही कभी कभी कुछ पूछने पर धीरे से जवाब दे देती थी मैंने उसकी बात एक स्कूल में करा दी उसकी नौकरी पक्की हो गई थी उसके बाद मैंने शीला से कहा कि मेरा रूम यहीं पास ही है अगर तुम चाहो तो देख सकती हो। शीला पहले तो हिचकिचाई लेकिन फिर तैयार हो गई। मेरे कमरे में पहुंच कर मैंने उसे एक कुर्सी बैठने के लिये दी। वो बोली कि तुम अकेले ही रहते हो मैंने कहा कि हां अकेले ही रहता हूं कमरे में बैठकर हम दोनो लोग बातें करने लगे और वह भी मुझसे घुल–मिलकर बातें कर रही थी। अचानक हम दोनो के बीच कुछ ऐसा हुआ कि हम दोनो की नज़रे आपस में टकराई और एक पल के लिये एक दूसरे की तरफ देखने लगे। तभी मैंने धीरे से कहा ''आई लव यू'' शीला बोली तुमने अभी क्या कहा मैंने कहा तुमने कुछ सुना वो मुस्करा रही थी वो बोली तुमने कुछ कहा था मैंने कहा क्या तुमने सुना वो बोली हां मैंने सुना तो मैंने कहा कि तुम ही बता दो। शीला बोली कि मैं जानती हूँ कि तुम मुझसे और मैं भी तुमसे लेकिन मुझे कहने में झिझक लगती है क्योंकि तुम्हारी और मेरी उम्र में अन्तर है। मैंने कहा कि प्यार की कोई सीमा नहीं होती और यह कहते हुए ही मैंने उसका हाथ पकड़ लिया और सहलाने लगा। उसका पूरा शरीर काँप रहा था उसके होंठ थिरक थिरक कर कांप रहे थे मैंने उसके दोनो बाजुओं को पकड़ कर उसे दीवार से सटा दिया और बिल्कुल उससे सट कर उसके सिर को पीछे से पकड़कर उसके होंठों पर अपने होंठ रख उसके होंठों का रस चूसने लगा जैसे कोई भंवरा फूल से रस चूसता है। मेरा स्पर्श पाते ही शीला के तनबदन में एक लहर सी दौड़ गई और पता नहीं उसे क्या हो गया उसने मुझे धक्का देना चाहा लेकिन मेरी पकड़ मजबूत थी और वो नाकामयाब रही और मैं उसके होंठों को लगातार चूमने लगा धीरे धीरे वो भी मेरा साथ देने लगी उसने अपने हाथ मेरे दोनो बाहों के नीचे से निकाल कर मेरे कन्धों को कस कर पकड़ लिया और मैंने अपने हाथ उसकी जलपरी जैसी कमर को पकड़ कर उसकी नाभि में उंगली करने लगा और फिर अपने हाथों को सरकाते हुए उसके हिप्स पर ले गया और उसे सहलाने लगा। अचानक बोली क्या कर रहे हो। कोई देख लेगा। ये नहीं करो। मैंने अपनी बाहों में ऐसा जकड़ रखा था कि वो चाहकर भी उनसे निकल नहीं पा रही थी। वो बोली अब छोड़ो भी मै अब तुम्हारी हूँ। ये सच है कि मैं भी नहीं रूक पा रही हूँ आज तुमने मेरे अन्दर की औरत को जागृत कर दिया है जो मेरे बदन की आग मैंने शान्त करके रखा था आज तुमने उसे भड़का दिया है। मैंने कहा कि शीला मै भी तुम्हारे प्यार का बहुत भूखा हूँ। शीला बोली अभी हम इस रिश्ते को और मजबूत करेंगे तुम मुझे थोड़ा समय तो दो जिससे कि मैं तुम्हारे लिये तैयार हो सकूं। उस दिन के बाद हम रोज मिलने लगे और बहुत खुल कर बात करते थे वो भी मुझे अपने बीते जीवन के बारे में बताती थी। कभी पार्क में तो कभी थ्रियेटर में वह स्कूल के बाद रोज मुझसे मिलने आती। मैं

© 2008, www.antarvasna.com and Indian Porn Empire

इस बीच उसके व्यक्तित्व से इतना प्रभावित हो चुका था कि मेरी इच्छायें उसको पाने के लिये प्रबल होती जा रही थी उसकी चौड़ी कमर और उत्तेजक हिप्स और उसके ब्लाउज से झांकते बूब्स ने मेरी रातों की नींद को उड़ा दिया था। इस बीच मैंने कई बार शीला के सामने खुलकर सेक्स का प्रस्ताव रखा लेकिन उसने हमेशा बात को काट दिया और कोई और बात करने लग जाती थी इधर मेरे पास भी कोई सुरक्षित स्थान नहीं था वैसे तो मेरे मकान मालिक नीचे रहते थे और मेरा रूम ऊपर था इसलिये हमेशा डर लगा रहता था कि कोई ऊपर न आ जाये इसलिये मैं मौके की तलाश में था कि कभी मेरे मकान मालिक शहर से बाहर जायें तभी कुछ हो पायेगा और ऐसा ही हुआ कि एक दिन मुझे पता चला मेरे मकान मालिक 2 दिन के लिये बाहर जा रहे हैं। मैंने उसी दिन दोपहर को उसे बुला लिया और उसके साथ चुदाई करने का प्रोग्राम बना लिया जैसे ही वह आई मैंने उसको कसकर पकड़ लिया और उसके होंठ चूसने लगा। वो बोली रूको तो सही मैंने कहा कि आज मैं नहीं रूक सकता आखिर यह तुम्हारा शरीर भी तो मेरा है मेरा भी अधिकार बनता है। यह सुनकर उसने खुद को पूरा तरह से मुझे समर्पित कर दिया और बोली लो अब मैं तुम्हें नहीं रोक सकती मैंने उसे बेड पर लिटाया। उसने साड़ी पहन रखी थी मैंने उसकी साड़ी को उतार दिया कमरा बिल्कुल बन्द कर लिया था पूरे घर में हम दोनो ही लोग थे इसलिये किसी का डर भी नहीं था और उसके होंठो को चूमने लगा। वह मुझे रोकना चाह रही थी लेकिन उसकी काम वासना उस समय इतनी पिपासु थी कि वो चाह कर भी विरोध नहीं कर पा रही थी उसके होंठो की उसकी सारी लिपिस्टिक मेरे होंठो पर लग गयी थी फिर मैंने उसके ब्लाउज से बूब्स को आज़ाद कर दिया। गोरे गोरे बूब्स को देखकर मैं बिल्कुल पागल हो गया था मैं शीला से कह रहा था कि आज तुमने मुझे यह तोहफा देकर मेरे दिल में अपने लिये और जगह बना ली। उसने मेरा साथ देते हुए कहा जानू यह तो तुम्हारे ही थे इनको खूब पियो मैं आज तुम्हें रोकुंगी नहीं ये तुम्हारे है। वह भी उत्तेजित अवस्था में बोल पड़ी उसके बड़े बड़े बूब्स मेरे हाथों में नहीं आ रहे थे लेकिन फिर भी उसको पकड़ने की कोशिश कर रहा था उसके निप्पल को मैं अपनी जीभ से चूसने लगा। उसकी तड़प बढ़ती जा रही था वह काफी दिनों से किसी मर्द के सम्पर्क में नहीं आयी थी। उसके बाद मैंने उसके पेट को चूमते हुए मैंने उसका पेटीकोट ऊपर उठाया उसने अपनी आंखें अपने दोनो हाथों से बन्द कर ली। उसकी जांघो को देखकर मेरे अन्दर का शैतान जगने लगा। अब मुझसे रूका नहीं जा रहा था। उसकी जांघे गोरी बिल्कुल मलाई की तरह थी उसने अन्दर पैन्टी नहीं पहनी थी। मैंने उसकी दोनो टांगों को चौड़ा दिया और उसके चूत को चूमने लगा। उसकी सिसकारी बढ़ गयी उसके चूत के दाने को मुँह में लेकर चूसने लगा उस समय उसे भरपूर आनन्द मिल रहा था उसने अपने दोनो हाथ मेरे सिर पर रखकर हाथ से मेरे बालों में उंगलियां फिराने लगी। उसकी चौड़ी कमर पर उसकी चूत मुझे बहुत उत्तेजित कर रही थी मेरा लण्ड तनकर खड़ा हो गया था मुझसे रहा नहीं जा रहा था मैं उसकी चूत के दाने को ऐसे चूस रहा था जैसे कोई पके आम की गुठली को चूसता है और दाने को चूसने के साथ साथ अपने हाथ की एक उंगली मैंने उसकी चूत में डाल दी उसकी चूत गीली हो चुकी थी और उसे अन्दर बाहर करने लगा। उसकी सिसकारी और बढ़ चुकी थी। उसने मेरे लण्ड को कस कर पकड़ रहा था हम लोग 69 की स्टाइल में लेटे हुये थे। उसने भी जोश में मेरे लण्ड को मेरे अण्डरवियर से निकाला और बहुत उत्सुकता से लण्ड को चूसना शुरू कर दिया जैसे कि मेरा लण्ड कोई लॉलीपॉप हो अब मुझे भी मजा आने लगा मै और तनमीयता से उसकी चूत को चूमने और साथ ही साथ उसकी जांघो व उसके हिप्स पर हल्के हाथ से सहलाने लगा। करीब 10 मिनट तक हम लोग एक दूसरे को पूरा मजा देते रहे उसके बाद शीला बोली राज अब मुझसे रूका नहीं जा रहा है

© 2008, www.antarvasna.com and Indian Porn Empire

जल्दी अपना लण्ड मेरी चूत में डाल दो मैंने कहा कि अभी रूको शीला अभी मुझे पूरा मजा तो आने तो शीला बोली तुम्हारा लण्ड बिल्कुल टनटना गया है। पूरा पत्थर जैसा हो गया है और मुझसे भी रहा नहीं जा रहा है जल्दी इसे मेरी चूत की गइराई में समा जाने दो प्लीज़ फिर मैंने अपना लण्ड शीला की चूत पर रखा और एक हल्का सा धक्का लगाया और जैसे ही मेरा लण्ड शीला की चूत में गया शीला की चीख निकल गई उसने मेरे दोनो हाथों में अपने हाथों को फंसा कर कस कर पकड़ लिया मैंने पहले धीरे धीरे अपना लण्ड शीला का चूत में पेलना शुरू कर दिया और इधर शीला भी काफी उत्तेजित हो चुकी थी। वह भी जोश में थी और मेरा भरपूर साथ देने की कोशिश कर रही थी। करीब पांच मिनट मैं ऐसे ही शीला की चूत में अपना लण्ड पेलता रहा उसके बाद मै उठा और बेड के किनारे खड़ा होकर शीला की दोनो टांगों को चौड़ाया और उसकी चूत को चूमा और फिर उसकी चूत को थोड़ा सा चौड़ा कर अपना लण्ड फिर से उसकी चूत में डाल दिया और उसकी दोनो टांगों को अपनी कमर के दोनो तरफ लपेट कर पकड़ लिया और जोर से धक्का लगाना शुरू कर दिया और शीला की भड़कीली जवानी के सागर में गोते लगाने लगा। उसकी गठीली जांघें देखकर वासना का नशा और चढ़ता जा रहा था और मैं अपने लण्ड को उसकी चूत में पेलता जा रहा था और हर बार धक्के लगाने की स्पीड तेज होती जा रही थी शीला सीसससससससससससससससससससस कर रही थी और कह रही थी साली ये चूत बहुत चुदासी थी आह और करो तेज़ और तेज़ धक्का मारो ज़ोर से कुछ देर बाद शीला दूसरी बार डिस्चार्ज हो गई और मेरे लण्ड ने भी शीला की चूत पानी से भर दी।
उसके बाद हम लोग ऐसे ही नन्गे पड़े रहे और एक दूसरे को चूमते रहे उस दिन हम लोगों ने कई कई बार लण्ड चूत का खेल खेला।

इससे आगे की कहानी में आप लोगों को अगली बार सुनाउंगा।

आपको मेरी कहानी कैसी लगी प्लीज़ मुझे ईमेल जरूर करें मैं आपसे वादा करता हूं कि भविष्य में भी आपको ऐसी ही रोमांच पैदा करने वाली कहानियों से रूबरू कराउंगा। अगर किसी लड़की आन्टी को मेरी मदद हो तो प्लीज़ बेझिझक मुझे ईमेल करें। मेरा ईमेल आई डी है birla1980@gmail.com

आपका

राज श्रीवास्तव

© 2008, www.antarvasna.com and Indian Porn Empire